

बिगुरदा पुं. (देश.) प्राचीन काल का एक हथियार।

बिगुल पुं. (अं.) तुरही जैसा एक यूरोपीय वाद्य जिसका प्रयोग सेना आदि में विविध संकेतों के लिए या विशेष अवसरों पर किया जाता है।
buggle

बिगुलर पुं. (अं.) बिगुल वादक, बिगुल बजाने वाला।

बिचकना अ.क्रि. (देश.) घृणा, अप्रसन्नता आदि दिखाने के लिए मुँह को कुछ टेढ़ा करना, भडकना, चौंकना।

बिचवान पुं. (देश.) बीच वानी, बीच-बचाव करने वाला, मध्यस्थ, सुलह कराने वाला।

बिच्छित्ति स्त्री. (तत्.) काटकर अलग करना, टुकड़े करना, संबंध आदि का विच्छेद, अलगाव, त्रुटि, कमी, समाप्ति, अवसान, रंगों से शरीर पर चिह्नों आदि का अंकन, वेषभूषा, कविता आदि में असावधानी या बेढंगापन, लापरवाही, माला, वस्त्र, आभूषण आदि को अस्त-व्यस्त धारण करने से उत्पन्न सौंदर्य-वृद्धि।

बिच्छी स्त्री. (तद्.) दे. बिच्छू।

बिच्छू पुं. (तद्.) 1. वृश्चिक, एक छोटा और विषैला कीड़ा जिसके डंक से बहुत दर्द होता है 2. एक प्रकार की पहाड़ी घास जिसके स्पर्श से शरीर में जलन होने लगती है।

बिछलन स्त्री. (देश.) काई या फिसलने/रपटने वाली जगह, फिसलन, चिकनी जगह जहां पैर फिसले।

बिछलना अ.क्रि. (देश.) फिसलना, डगमगाना, रपट जाना, प्रवृत्त होना, झुकना।

बिछाना स.क्रि. (तद्.) विस्तरण, जमीन आदि पर दूर तक फैलाना, दूर तक बिखेरना, मार-पीट में मारकर घायल कर जमीन पर डाल देना।

बिछिआ स्त्री. (तद्.) बिछिया पैर की उँगली में पहनने का चाँदी का घुँघरूदार छोटा सा आभूषण जो सधवा स्त्री का सौभाग्य चिह्न माना जाता है, छल्ला।

बिछुआ पुं. (देश.) 1. दे. बिछिआ 2. बिछुवा, एक तरह की छुरी (कटार)।

बिछुड़ना अ.क्रि. (तद्.) वियोग, विच्छेदन, जुदा होना साथ रहने वालों का परस्पर अलग होना, वियुक्त होना, प्रेमी और प्रेमिका अथवा स्नेही व्यक्तियों का दुखपूर्ण ढंग से अलग होना, साथ में न रह पाना, अकेला रह जाना।

बिछोह पुं. (देश.) बिछुड़न, वियोग, बिछड़ना, विरह, बिछोड़ा।

बिजनेस पुं. (अं.) कारोबार, काम-धंधा, व्यापार, वाणिज्य, व्यवसाय, क्रय-विक्रय। business

बिजय सार पुं. (तत्.) विजयसार, एक प्रकार का बहुत बड़ा जंगली पेड़ जिसकी लकड़ी ढोल आदि बनाने के काम आती है।

बिजली स्त्री. (तद्.) विद्युत, ऊर्जा का एक रूप जिसका उपयोग रोशनी के लिए अथवा विभिन्न उपकरणों के लिए किया जाता है, बादलों के गर्जन के साथ आकाश में प्रकाश की कौंध के रूप में ऐसा ऊर्जा का घनीभूत रूप, तड़ित, कान का एक आभूषण, गले में एक प्रकार का हार जिसमें चमकीली लटकन बनी होती है, आम की गुठली के अंदर की गिरी।

बिजलीघर पुं. (तद्.) बिजली उत्पादन और संग्रह करके घरों, कारखानों आदि में प्रकाश तथा बिजली के उपकरणों को चलाने के लिए भेजा जाता है।

बिजली-मिस्त्री पुं. (तद्.) बिजली के उपकरणों अथवा बिजली की आपूर्ति आदि को दोषमुक्त करने वाला कारीगर या कर्मचारी, बिजली की जानकारी रखने वाला और विभिन्न दोषों को ठीक करने वाला।

बिजोहना स.क्रि. (देश.) जोवना, अच्छी तरह देखना, लगातार देखते रहना।

बिजोहा पुं. (देश.) बिज्जुहा, एक छंद, एक वर्णिक वृत्त, विमोहा।